फिल्मों के संबंध में अनेक अनियमितताएं प्रकाश में आयी हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि जिन फिल्मों को एक बार 'अयोग्य' घोषित कर दिया गया था, उन्हें भी अब दूरदर्शन पर दिखाया जा रहा है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि फिल्मों को वर्णानुक्रम से दिखाए जाने का निर्णय किया गया था परन्तु इस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई ;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) सरकार द्वारा फिल्मों का नियमित प्रसारण सुनिश्चित करने हेतु अनियमितताओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) और (ख) जी, नहीं ।

(ग) दूरदर्शन के अनुसार जो फीचर फिल्में दूरदर्शन की अपेक्षाएं पूरी करती हैं, उन्हें प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख/अनुमोदित होने की तारीख के क्रमानुसार प्रसारित किया जाता है । तथापि, प्रादेशिक भाषाओं की फिल्मों को सामान्यतया वर्णक्रमानुसार राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया जाता है ।

(घ) और (ङ) ये सवाल पैदा ही नहीं होते ।

दूरदर्शन धारावाहिक "चाणक्य" में कटौती किया जाना

526. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :**
श्री बेकल "उत्साही" :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पहले दूरदर्शन हिन्दी धारावाहिक "चाणक्य" की 52 कड़ियों का निर्माण और प्रसारण करने की अनुमति दी गई थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि अब इस धारावाहिक की कड़ियों की संख्या घटा दी गई है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या सरकार ऐसी कोई नीति बनाने का विचार रखती है जिसके अधीन पहले एक बार जितनी कड़ियों के प्रसारण की अनुमति दे दी गई हो उसमें न तो कोई बढ़ोतरी की जा सकेगी और न ही कोई कटौती ;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) से (ग) जी हां। 52 कड़ियों के लिए अनुमोदन किया गया था । किन्तु यह सक्षम प्राधिकारी के विधिवत अनुमोदन के बिना किया गया था । बाद में निर्माता से विचार-विमर्श करने पर इस धारावाहिक को 47 कड़ियों में पूरा करने की अनुमति दी गयी है ।

(घ) यदि धारावाहिकों की कड़ियां बढ़ाने की अनुमति दी जाती हैं तो ऐसा प्रत्येक प्रस्ताव की गुणवत्ता अर्थात् उसकी कहानी, विषयवस्तुपरख मूल्य दर्शकों में धारावाहिक की लोकप्रियता आदि को ध्यान में रखकर किया जाता है ।

(ङ) और (च) ये सवाल पैदा ही नहीं होते ।

T.V. Station at Vijayawada

527. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether it is a fact, that foundation stone was laid to construct